>

Title: Need to declare import of hybrid cars in the country as customs-duty free.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): मै सरकार का ध्यान अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रचलित हाईब्रिड कारों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । यह कारें लाइटवेट मैटिरियल से बनाई जाती है। इनका इंजन बहुत ही फ्यूल एफिशिएंट होता है । जब लाल बत्ती पर गाड़ी रूकती है तो इसका इंजन अपने आप बंद हो जाता है तथा गीयर डालते ही अपने आप रीस्टार्ट हो जाता है । यह कारें गैसोलाइन इंजन और बैटरी ऑपरेटिड इलैक्ट्रिक मोटर्स द्वारा चलती है । यह कारें इको-फ्रैंडली हैं, जो कि पर्यावरण पर किसी प्रकार का दुप्रभाव नहीं डालती है । ढलान पर चलते वक्त इनकी बैटरी अपने आप काइनेटिक एनर्जी से चार्ज हो जाती हैं । जो कारें बैटरी ऑपरेटिड हैं वह भी एक बार की चार्जिंग से 80-100 किलोमीटर तक चलती हैं । हाइब्रिड तकनीक पर आधारित वाहन कम गैस का उत्सर्जन करते हैं । ये कारें कम ईधन में अधिक दूरी तय करती हैं । इसमें ईधन का अपव्यय कम होता है । इसकी बैटरी निकेल मैटल हाईड्राइड से बनी होती है । होंडा, फोर्ड, टोयोटा, जी.एम.सी. और शेवरलेट आदि नामी कंपनियां इनका उत्पादन कर रही हैं । अमरीका में जो लोग इन कारों को प्रयोग करते हैं उन्हें वहां के प्रशासन द्वारा करों में छूट दी जाती है। हमारे देश में जो नित्य घर से आफिस व ऑफिस से घर आते जाते हैं, उनके लिए यह कारें बहुत उपयुक्त हैं । इन कारों के प्रयोग से ईधन में तो बचत होगी ही साथ ही पर्यावरण भी प्रदूषण मुक्त रहेगा ।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह विदेशों में विकसित एवं प्रचलित इन कारों के आयात को कस्टम ड्यूटी फ्री करें जिससे हमारे देश के ईधन में बचत के साथ-साथ पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा ।